PD-107 CV-19

M.A. Hindi (First Semester)

Examination, Jan-2021

Paper-

Name/Title of Paper- Adhunik Gadhya Sahitya(Natak Evam Nibandh)

[Maximum Marks : 80

Time : Three Hours] [Minimum Pass Marks : 29

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।
Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड/Section-A

1. अधोलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1x10=10
   - क. चाणक्य का वास्तविक नाम क्या था?
   - ख. सिकंदर के सेनापति का नाम बताइए।
   - ग. तक्षशिला का राजकुमार कौन था?
   - घ. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में कितने नारी पात्र है?
   - ङ. डॉ. राम कुमार वर्मा के किसी एक नाटक का नाम बताइए।
   - च. आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित विद्यानिवास मिश्र के निबंध का शीर्षक लिखिए।
   - छ. 'वैदिकी हिंसा न भवति' के लेखक का नाम बताइए।
   - ज. 'चिंतामणि के लेखक का नाम बताइए।
   - झ. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का प्रकाशन वर्ष बताइए।
   - ञ. चन्द्रगुप्त के राजनैतिक गुरू कौन थे?
   - ट. चिंतामणि कितने भागों में प्रकाशित है?
2. निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये:– 2x5=10
   - क. जगदीश चन्द्र माथुर की नाट्यकला।
   - ख. प्रताप नारायण मिश्र की दो कृतियों के नाम लिखिए।
   - ग. हिन्दी नाट्य साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान ।
   - घ. हरिशंकर परसाई की व्यंग्यकला।
   - ङ. कालिदास का विभाजित व्यक्तित्व
   - च. निबंधकार डॉ. रामकुमार वर्मा
   - छ. डॉ. नगेन्द्र की निबंध कला

खण्ड/Section-B 15x4=60

3. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:–
   - क. मुझे इस देश से जन्म भूमि के समान स्नेह होता जा रहा है। यहाँ के श्यामल कुँज, घने जंगल, सरिताओं की माला पहने हुए शैला श्रेणी, हरी भरी वर्षा, गर्मी की चाँदनी की, शीतकाल की धूप, और भोले कृषक तथा सरला कृषक बालिकाएँ, बाल्याकाल की सुनी हुई कहानियों की जीवित प्रतिमाएँ है। यह स्वप्नों का देश, यह त्याग और ज्ञान का पालना, यह प्रेम की रंगभूमि–भारत भूमि क्या भुलायी जा सकती है? कदापि नही। अन्य देश मनुष्यों की जन्मभूमि है; यह भारत मानवता की जन्मभूमि है।

     अथवा/OR

     जिसकी खड़ग प्रभा में विजय का आलोक चमकेगा, वही वरेण्य है। उसी की पूजी होगी। भाई! तक्षशिला मेरी नही और तुम्हारी भी नही; तक्षशिला आर्यावर्त का एक भू–भाग है! यह आर्यावर्त की होकर रहे, इसके लिए मर मिटों। फिर उसके कणों में तुम्हारी ही नाम अंकित होगा। मेरे पिता स्वर्ग में इन्द्र से प्रतिस्पर्धा करेगें। वहाँ की अप्सराएँ विजयमाला लेकर खड़ी होगी, सूर्यमण्डल मार्ग बनेगा और उज्जवल आलोक में मण्डित होकर गांधार राजकुल अमर हो जायेगा।
   - ख. तुमने लिखा था कि एक दोष गुणों के समूह में उसी तरह छिप जाता है, जैसे चाँद के किरणों में कलंक, परंतु दारिद्रय नही छिपता। सौ–सौ गुणों में भी नहीं छिपता। नही, छिपता ही नही, सौ–सौ गुणों को छा लेता है– एक–एक करके नष्ट कर देता है।

अथवा/OR

एक आकर्षण सदा मुझे उस सूत्र की ओर खींचता था जिसे तोड़कर मैं यहां से गया था। यहाँ की एक–एक वस्तु में जो आत्मीयता थी, वह यहां से जाकर मुझे कहीं नहीं मिली। मुझे यहां की एक–एक वस्तु के रूप और आकार का स्मरण है।

ग. आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे है, क्या ऐसी ही बनी रहेगी? सम्राटों, समंतों ने जिस आचार निष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था वह लुप्त हो गई, धर्माचार्यो ने जिस ज्ञान और वैराग्य को उतना महार्घ समझा था। वह समाप्त हो गया, मध्ययुग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस राशि उमड़ी थी वह वाष्प की भाँति उड गई तो क्या यह मध्ययुग के कंकाल मे लिखा हुआ व्यावासयिक युग का कमल ऐसी ही बना रहेगा?

अथवा/OR

"ऐसा मत कहो महाराज! उम्र तो बहुत थी । पचास–साठ रूपया महीना पेंशन मिलती तो कुछ और काम कहीं करके गुजारा हो जाता। पर क्या करें? पाँच साल नौकरी से बैठे हो और अभी तक एक कौड़ी नही मिली।"

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

क. चंद्रगुप्त नाट्य में वर्णित उस पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए जिसने चंद्रगुप्त को सम्राट चंद्रगुप्त बनाया।

अथवा/OR

"प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना और भक्ति का अथाह सागर हिलोरें ले रहा है।" चंद्रगुप्त नाटक के आधार पर उस कथन पर प्रकाश डालिए।

ख. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर मल्लिका का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा/OR

अभिनेयता एवं रंगमंच की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की सम्यक विवेचना कीजिए।

ग. 'साहित्य की महता' निबंध का सारांश लिखिए।

अथवा/OR

हरिशंकर परसाई की निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।

5. क. डॉ. रामकुमार वर्मा के साहित्यिक योगदान का उल्लेख कीजिए।

ख. भारतेन्दु हरिश्चंद्र की निबंधकला पर प्रकाश डालिए।